भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर (2026-27)

कक्षा-VIII(2nd Lang.)	विभाग: हिंदी	Date – 07.09.26
	विषय: Seen comp. Prose & poetry	Note: Pl. file in portfolio

नाम :_____अनुभाग :_____अनुक्रमांक :_____दिनांक :_____

गद्यांश 1

निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

साँच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप ।
जाके हिरदे साँच है, ता हिरदे गुरु आप।।
बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
पंथी को छाया नहीं, फल लागै अति दूर।।

1. 'साँच बराबर तप नहीं' के अनुसार सबसे बड़ा तप क्या है?
(क) पूजा करना (ख) सत्य बोलना (ग) दान देना (घ) व्रत रखना
2. 'जाके हिरदे साँच है' में 'साँच' का अर्थ क्या है?
(क) धन (ख) साहस (ग) सत्य (घ) ज्ञान
3. 'बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर' में किसकी तुलना खजूर के पेड़ से की गई है?
(क) छोटे व्यक्ति की (ख) ऊँचे पद वाले व्यक्ति की (ग) गरीब व्यक्ति की (घ) किसान की
4. खजूर का पेड़ किस कारण उपयोगी नहीं माना गया है?
(क) वह बहुत छोटा है। (ख) वह छाया नहीं देता और फल बहुत दूर लगते हैं। (ग) वह जल्दी सूख जाता है। (घ) उसमें फूल नहीं आते।
5 पंथी को छाया नहीं' में 'पंथी' शब्द का अर्थ क्या है?
(क) पेड़ (ख) पक्षी (ग) यात्री (घ) किसान

गद्यांश 2

अब एक दिन दो गौरैया सीधी अंदर घुस आईं और बिना पूछे उड़-उड़कर मकान देखने लगीं। पिताजी कहने लगे कि मकान का निरीक्षण कर रही हैं कि उनके रहने योग्य है या नहीं। कभी वे किसी रोशनदान पर जा बैठतीं, तो कभी खिड़की पर फिर जैसे आई थीं वैसे ही उड़ भी गईं। पर दो दिन बाद हमने क्या देखा कि बैठक की छत में लगे पंखे के गोले में उन्होंने अपना बिछावन बिछा लिया है और सामान भी ले आईं हैं और मजे से दोनों बैठी गाना गा रही हैं। जाहिर है, उन्हें घर पसंद आ गया था। माँ और पिताजी दोनों सोफे पर बैठे उनकी ओर देखे जा रहे थे। थोड़ी देर

बाद माँ सिर हिलाकर बोलीं, "अब तो ये नहीं उड़ेंगी। पहले इन्हें उड़ा देते, तो उड़ जातीं। अब तो इन्होंने यहाँ घोंसला बना लिया है।"इस पर पिताजी को गुस्सा आ गया। वह उठ खड़े हुए और बोले, देखता हूँ ये कैसे यहाँ रहती हैं! गौरयाँ मेरे आगे क्या चीज हैं! मैं अभी निकाल बाहर करता हूँ।"छोड़ो जी, चूहों को तो निकाल नहीं पाए, अब चिड़ियों को निकालेंगे!" माँ ने व्यंग्य से कहा।माँ कोई बात व्यंग्य में कहें, तो पिताजी उबल पड़ते हैं, वह समझते हैं कि माँ उनका मजाक उड़ा रही हैं। वह फौरन उठ खड़े हुए और पंखे के नीचे जाकर जोर से ताली बजाई और मुँह से 'श... शू' कहा, बाँहें झुलाई, फिर खड़े-खड़े कूदने लगे, कभी बाँहें झुलाते, कभी 'श... शू' करते । गौरैयों ने घोंसले में से सिर निकालकर नीचे की ओर झाँककर देखा और दोनों एक साथ "चीं-चीं' करने लगीं। और माँ खिलखिलाकर हँसने लगीं।

प्रश्न 1 – लेखक के घर में कौन घुस आया था?

(क) दो चमगादड़ (ख) दो गौरैयाँ (ग) दो छिपकली (घ) दो चूहे

प्रश्न 2 – गौरैयों ने अपना घौंसला कहाँ बनाया था?

(क) आम के पेड़ पर (ख) छत के किनारे पर

(ग) लेखक के कमरे के पंखे के गोले पर (घ) बैठक की छत में लगे पंखे के गोले में

प्रश्न 3 – "अब तो ये नहीं उड़ेंगी। पहले इन्हें उड़ा देते, तो उड़ जातीं। अब तो इन्होंने यहाँ घोंसला बना लिया है।" यह वाक्य किसने कहा?

(क) माँ ने (ख) पिता ने (ग) लेखक ने (घ) दादी ने

प्रश्न 4 – पिता जी ने किसे भगाने की ठान ली ?

(क) चूहों को (ख) छिपकलियों को (ग) गौरैयों को (घ) चमगादड़ों को

प्रश्न 5 – लेखक की माँ किस पर व्यंग्य कर रही थी?

(क) चूहों पर (ख) लेखक के पिता पर (ग) गौरैयों पर (घ) लेखक पर

प्रश्न 6 पाठ के लेखक कौन हैं ?

(क) भीष्म साहनी (ख) मनु भंडारी (ग) रामकुमार वर्मा (घ) मोहन राकेश

गद्यांश 1 **1 उत्तर –** (ख) सत्य बोलना 2 उत्तर: (ग) सत्य 3 उत्तर: (ख) ऊँचे पद वाले व्यक्ति की 4 उत्तर: (ख) वह छाया नहीं देता और फल बहुत दूर लगते हैं। 5 उत्तर: (ग) **यात्री**

गद्यांश 2 – 1 **उत्तर –** (ख) दो गौरैयाँ 2 **उत्तर** – (घ) बैठक की छत में लगे पंखे के गोले में

3 **उत्तर** – (क) माँ ने 4 **उत्तर –** (ग) गौरैयों को 5 **उत्तर** – (ख) लेखक के पिता पर

6 **उत्तर** –(क) भीष्म साहनी

==========